SUNDAY | 14.03.2021

उत्तर प्रदेश

अमर उजाला

महानगर वर्ष 53 | अंक 56 | पृष्ठ : 22 | मूल्य : छह रुपये

बरेली

• 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

PAGE NO. 08 : MIDDLE

'नेटुआ' ने उजागर की सामाजिक तिरस्कार की पीड़ा

बरेली। बिहार के लोकनृत्य पर आधारित नाटक नेटुआ में समाज के हर वर्ग का मनोरंजन करने वाले पात्र के सामाजिक तिरस्कार की पीड़ा को उजागर किया गया।

एसआरएमएस ट्रस्ट के रिद्धिमा मंच एवं कलाकेंद्र में शनिवार को रामा ड्रामाज की ओर से नाटक नेटुआ (करम बड़ा दुखदाई) का मंचन किया गया। बिहार के लोकनृत्य नेटुआ पर आधारित इस नाटक में पुरुष पात्र स्त्री का स्वांग धरकर अपनी नृत्य विधा से समाज के सभी वर्ग के लोगों का मनोरंजन करता है। खुशी के हर कार्य में उसकी उपयोगिता दिखाई गई है लेकिन फिर भी उसका शोषण होता है और उसे समाज में तिरस्कार का सामना करना पड़ता है। एक घंटा पंद्रह मिनट के इस नाटक को रतन वर्मा ने लिखा है। राम प्रिय गंगवार ने निर्देशित किया है। मंच पर जमुना के रूप में नेटुआ की भूमिका भी राम प्रिय गंगवार ने ही निभाई। उनके अभिनय ने सभी का मन मोह लिया। इसके अलावा शिल्पा, उत्कर्ष, अभिषेक नरायन, आशुतोष, अवनी आदि ने भी अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया। गायन राजीव गंगवार, नृत्य दिनी और कनिष्का, प्रकाश दिनेश और संगीत संतोष सागर का रहा। आयोजन के दौरान ट्रस्ट के सचिव देवमूर्ति, एसआरएमएस के निदेशक आदित्यमूर्ति, जेसी पालीवाल आदि मौजूद रहे।

रिद्धिमा में रामा ड्रामाज की ओर से मंचित नाटक नेटुआ का एक दृश्य।